दैनिक
नईदुनिया

भोपाल एवं सागर से एकसाथ प्रकाशित

आज का मौसम

भोपाल	↑ 26.3°	↓ 23.0°
इंदौर	↑ 28.2°	↓ 22.5°
ग्वालियर	↑ 32.6°	↓ 24.3°
जबलपुर	↑ 32.4°	↓ 23.0°

सूर्योदय- 6:08 सूर्यास्त-6:19

धमकी मिलने के बाद.... 7

वर्ष- 75 (भोपाल: वर्ष 36 अंक 294, पृष्ठ 8) सोमवार 20 सितंबर , 2021 राजधानी संस्करण. कीमत: रु. 3:00 www.naiduniaonline.com

खास-खबर

गुजरात के कच्छ में 3.1 तीव्रता का भूकंप

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के कच्छ जिले में रविवार को 3।1 तीव्रता का भूकंप आया। हालांकि इससे किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित भूकंप विज्ञान अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने कहा कि भूकंप सुबह करीब 8ः38 बजे आया जो यह दुधई के 26 किलोमीटर उत्तर-उत्तर पूर्व में 9।3 किलोमीटर की गहराई पर केंद्रित था। कच्छ जिला आपदा प्रबंधन इकाई ने कहा कि इससे किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

नीट के खिलाफ पूरे तमिलनाडु में वीसीके ने प्रदर्शन की बनाई योजना

चेन्नई(एजेंसी)। विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) के खिलाफ विरोध मार्च निकालने की योजना बना रहा है। पार्टी नेता और सांसद थोल थिरुवमावलवन ने आईएएनएस को बताया कि नीट ने वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में तीन छात्रों सहित कई छात्रों की जान ले ली है और राज्य के सामाजिक कार्यकर्ता और राजनीतिक नेता इसे बेबसी से नहीं देख सकते। उन्होंने आईएएनएस को यह भी बताया, हम तमिलनाडु सरकार द्वारा राज्य विधानसभा में पारित नीट को हटाने की मांग वाले विधेयक को मंजूरी नहीं देने पर केंद्र के खिलाफ राज्य भर में विरोध मार्च करेंगे।

पंजाब में कांग्रेस ने चौंकाया चरणजीत सिंह होंगे मुख्यमंत्री

पहली बार दलित नेता को कमान, आज लेंगे शपथ

चंडीगढ़(एजेंसी)।

पंजाब के पावर प्ले में कांग्रेस ने चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम बनाने का फैसला लेकर चौंका दिया है। चरणजीत सिंह चन्नी 1966 में हुए राज्य के पुनर्गठन के बाद से पहले दलित सीएम होंगे।

सुखजिंदर सिंह रंधावा, सुनील जाखड़ और अंबिका सोनी जैसे नेताओं के नाम सीएम की रेस में चल रहे थे, लेकिन चन्नी की दूर-दूर तक चर्चा नहीं थी। ऐसे में उनको सीएम बनाया जाना कांग्रेस की ओर से सरप्राइज माना जार रहा है। वह कैप्टन अमरिंदर सिंह की जगह राज्य का नेतृत्व करेंगे, जिन्होंने शनिवार को ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। चरणजीत सिंह चन्नी सोमवार को सुबह 11 बजे सीएम पद की शपथ लेंगे। पंजाब के कांग्रेस प्रभारी हरीश रावत ने ट्वीट कर चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम चुने जाने की जानकारी दी है। रावत ने ट्वीट किया, चरणजीत सिंह चन्नी को कांग्रेस की विधायक दल की मीटिंग में एकमत से सीएम बनाए जाने का फैसला लिया गया है। उनके अलावा राज्य में पर्यवेक्षक के तौर पर पहुंचे अजय माकन ने भी ट्वीट किया है कि शाम को 6ः30 बजे हरीश रावत और विधायक दल के नए नेता गवर्नर हाउस जाएंगे। अपने परिवार और पंजाब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के साथ शाम साढ़े छह बजे वह

राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से मिलने पहुंचे। इस दौरान राजभवन के बाहर उनके समर्थकों ने जमकर जश्न मनाया।

राजभवन से निकलने के बाद चरणजीत सिंह चन्नी ने कहा कि हमने राज्यपाल के समक्ष पार्टी विधायकों के समर्थन से अपना पक्ष रखा है। शपथ ग्रहण समारोह कल सुबह 11 बजे होगा। उधर, मोहाली के खरड़ कस्बे में स्थित चरणजीत सिंह चन्नी के आवास के बाहर उनके समर्थकों ने जमकर जश्न मनाया। डांस करते समर्थकों की तस्वीरें सामने आईं। कैप्टन अमरिंदर सिंह ने चरणजीत सिंह चन्नी को अपनी शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने ट्वीट किया, मुझे उम्मीद है कि वह सीमावर्ती राज्य पंजाब को सुरक्षित रखने और सीमा पार से बढ़ते सुरक्षा खतरे से हमारे लोगों की रक्षा करने (शेष पेज 2 पर)

सिद्धू के सलाहकार का निशाना, कहा- अगर मेरे हाथ में होता तो कैप्टन को पार्टी से निकाल देता

पंजाब कांग्रेस के प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के सलाहकार मोहम्मद मुस्तफा ने अमरिंदर सिंह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अगर वे पार्टी के नेता होते तो अमरिंदर सिंह को पार्टी से हटा देते। उन्होंने दावा किया कि कैप्टन के निशाने पर सिद्धू नहीं बल्कि गांधी परिवार है। मुस्तफा ने कहा कि वो कैप्टन को गांधी परिवार को निशाना नहीं बनने देंगे। मोहम्मद मुस्तफा ने कहा, नवजोत सिद्धू देशद्रोही नहीं हैं। अगर अब के बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह सिद्धू को देशद्रोही कहेंगे तो मैं पूरी किताब खोल दूंगा। कैप्टन के निशाने पर सिद्धू नहीं बल्कि गांधी परिवार है। मैं कैप्टन को गांधी परिवार को निशाना नहीं बनने दूंगा।इसके साथ ही उन्होंने कहा, कैप्टन अमरिंदर सिंह पिछले 5 साल से पंजाब को बदनाम कर रहे हैं। इस पार्टी के लोग उन्हें पिछले साढ़े चार साल से बर्दाश्त करते आ रहे हैं। अगर मैं पार्टी का नेता होता तो 30 दिन में कैप्टन को पार्टी से हटा देता। पंजाब के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के कुछ घंटे बाद कांग्रेस नेता अमरिंदर सिंह ने शनिवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू पर तेज हमला किया और उन्हें 'राष्ट्र विरोधी, खतरनाक और पूरी तरह (शेष पेज 2 पर)

राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को राजभवन में सौजन्य भेंट की। राज्यपाल को मुख्यमंत्री ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

योगी ने अपने परिश्रम से उत्तरप्रदेश को बीमारू राज्य से बाहर किया : मोदी

लखनऊ(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यभनाथ ने रविवार को प्रदेश सरकार के साढ़े चार साल के कार्यकाल की उपलब्धियों का लेखा-जोखा संबंधी पुस्तिका का विमोचन किया जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूबे की अर्थव्यावस्थान में हुए सुधारों को लेकर टिप्पोणी की है।

मोदी ने कहा है, आज उत्तर प्रदेश पूरे देश का नेतृत्व कर रहा है, इसके पीछे साढ़े चार वर्षों के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का वह परिश्रम है, जिसमें उन्होंने उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य से बाहर लाने के लिए दिन-रात मेहनत की और वह 'रिफॉर्म के जरिए परफॉर्म करते हुए उत्तर प्रदेश को ट्रांसफॉर्म' करने के अपने मिशन में सफल रहे। उत्तर प्रदेश में मुख्यामंत्री योगी आदित्यंनाथ के नेतृत्व् वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार के साढ़े चार वर्ष पूरे होने पर रविवार को लोकभवन में योगी ने सरकार की उपलब्धियों को दर्शाती 50 पृष्ठर की एक पुस्तिका और 16 पृष्ठा के फोल्डोर का विमोचन किया। पुस्तिका में एक अन्यक संदेश में मोदी ने कहा गत साढे चार वर्षों में राष्ट्रीय पटल पर एक नया, सक्षम और समर्थ उत्तर प्रदेश उभरकर सामने आया है। कभी देश में पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था का दंश झेलने वाला उत्तर प्रदेश आज लगातार प्रयासों से दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन गया है। इसी पुस्तिका में प्रधानमंत्री के प्रति योगी ने एक संदेश लिखा है आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन में भारत वर्ष में 75 करोड़ से अधिक टीकाकरण हो चुका है। यह आत्मनिर्भर भारत के सामर्थ्य की एक झांकी है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि सशक्त नेतृत्व के महत्व को प्रकट करती है, निश्चित ही कोरोना हारेगा-भारत जीतेगा। पुस्तिका के प्रारंभ में उत्तर प्रदेश को शून्य से शिखर तक ले जाने की गाथा शीर्षक से राज्या सरकार के 54 महीनों के कार्यकाल की चर्चा की गई है। इसके बाद भारत सरकार की प्रमुख योजनाओं में उत्तर प्रदेश की प्रगति, देश में अग्रणी योजनाओं का ब्यौरा, माफिया पर केंद्रित कानून-व्यवस्था की उपलब्धियों समेत बिंदुवार अलग- (शेष पेज 2 पर)

अदालतों में अब भी गुलामी के दौर वाला अंग्रेजी सिस्टम जारीः रमना

नई दिल्ली(एजेंसी)।

देश की न्याय व्यवस्था को लेकर सीजेआई एनवी रमना का बड़ा बयान दिया है। न्याय व्यवस्था में इंसाफ मिलने में देरी को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं, लेकिन अब मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एनवी रमना ने हमारी न्यायिक प्रणाली में दूसरी खामी की ओर ध्यान खींचने की कोशिश की है।

उनके मुताबिक हमारी न्याय व्यवस्था अंग्रेजों के दौर की है और इसका भारतीयकरण करने की जरूरत है। आम लोगों की इसी परेशानी को समझते हुए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया जस्टिस एनवी रमना ने हमारी न्याय व्यवस्था के भारतीयकरण करने पर जोर दिया है। बेंगलुरू में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि देश में अब भी गुलामी के दौर की न्याय व्यवस्था कायम है और ये हमारे लोगों के लिए ठीक नहीं है। जस्टिस एनवी रमना ने कहा, हमारी न्याय व्यवस्था में आम लोगों को इंसाफ पाने में कई अड़चनें आती हैं। हमारी अदालतों की कार्यप्रणाली भारत की जटिलता के साथ मेल नहीं खाती। मौजूदा व्यवस्था औपनिवेशिक काल की है और ये हमारे लोगों के लिए सही नहीं है। हमें हमारी न्याय व्यवस्था के भारतीयकरण करने की जरूरत है। जरूरत है कि हम समाज की वास्तविकता को स्वीकार करें और न्याय व्यवस्था को स्थानीय जरूरतों के हिसाब से ढालें। सीजेआई रमना ने अपनी चर्चा में गांव के एक परिवार का जिक्र करते हुए कहा कि ग्रामीण इलाकों के लोग अंग्रेजी में होने वाली कानूनी कार्यवाही को नहीं समझ पाते हैं, ऐसे में उन्हें ज्यादा पैसे खर्च करने (शेष पेज 2 पर)

जजों के 68 नामों पर सरकार ने नहीं लिया अभी फैसला कॉलेजियम ने की है सिफारिश

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने हाल ही में देश के उच्च न्यायालयों में जजों के 68 पदों पर नियुक्ति के लिए एकमुश्त नामों को हरी झंडी दे दी, लेकिन केंद्र सरकार ने अभी इन्हें मंजूरी नहीं दी है। यह पहला मौका है जब एक साथ इतनी बड़ी तादाद में कॉलेजियम ने निचली कोर्ट के जजों व वकीलों की हाईकोर्ट जजों के रूप में नियुक्ति की सिफारिश की थी। आठ अगस्त से एक सितंबर के बीच कॉलेजियम ने विभिन्न हाईकोर्ट में जजों के रिक्त पदों के लिए 100 से ज्यादा नामों पर विचार किया था। इनमें से 12 उच्च न्यायालयों के लिए 68 नामों का चयन कर सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है। जजों की नियुक्ति प्रक्रिया से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सीजेआई एनवी रमन की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम द्वारा की गई इस सिफारिश पर केंद्र सरकार ने निर्णय नहीं लिया है। इन (शेष पेज 2 पर)

रतलाम-आगर में भारी बारिश, रेलवे ट्रेक डूबा

दोनों शहरों में 6 इंच तक पानी गिरा, घर-दुकानों में पानी घुसा, कई गाड़ियां बहीं

भोपाल(काप्र)।

मध्यप्रदेश में मानसून अपने आखिरी दौर में भी जमकर बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटों के दौरान आगर-मालवा और रतलाम में 6 इंच तक बारिश ने बाढ़ के हालात बना दिए। नदी और नालों के उफान पर आने से रतलाम जिले में पानी के तेज बहाव में एक कार और एक बाइक बह गई।

ग्रामीणों ने कार सवार युवक को बड़ी मुश्किल से बचाया। अन्य जगह भी गाड़ियां बहने की खबरें हैं। रतलाम शहर के डाट की पुल, सैलाना बस स्टैंड और निचले रिहायशी इलाकों में पानी भर गया है। रेलवे स्टेशन के ट्रैक पर भी पानी भर गया, हालांकि फिलहाल ट्रेनें रोकने की नौबत नहीं आई है। ढाई बजे ट्रैक से पानी उतर गया। भोपाल और इंदौर समेत कई जगहों पर भी बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम वैज्ञानिक के पीके साहा ने बताया कि बीते 24 घंटों के दौरान आगर-मालवा में सबसे ज्यादा छह इंच तक पानी बरस गया। रतलाम में भी 6 इंच तक बारिश ने बाढ़ के हालात बना दिए। सबसे ज्यादा बारिश आगर के लखेड़ा और सुसनेर में 6-6 इंच हुई। इसके अलावा शाजापुरा में 1 इंच, श्योपुर, भोपाल और धार में आधा-आधा इंच पानी गिरा। इंदौर, भोपाल शहर, गुना, खंडवा, उज्जैन, सीधी, खरगोन, होशंगाबाद, रायसेन, ग्वालियर जबलपुर और दतिया समेत 143 केंद्रों पर बारिश रिकॉर्ड की गई। मंदसौर में बीते 24 घंटे से हो रही झमाझम बारिश ने जिले को तरबतर कर दिया है। पिछले 24 घंटों में जिले में सवा इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है। वहीं जिले की औसत बारिश 33 इंच को पार करते हुए 33.39 इंच तक पहुंच गया है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों के कई इलाकों में बनी छोटी पुलियों और रपटों के ऊपर तक पानी आ गया है। नाहरगढ़-बिल्लोड़ पुल के ऊपर तक पानी बहने से यहां पुल के दोनों ओर सैकड़ों वाहनों की लाइन लग गई है। वहीं पशुपतिनाथ मंदिर के पास शिवना पर बना छोटा पुल भी पानी में डूब गया है। कोलवा से डोडिया मीणा जाने वाला मार्ग भी कुछ घंटों के लिए बंद करना पड़ा है। बीते 18 दिन से प्रदेश भर में बारिश हो रही है। इस (शेष पेज 2 पर)

हुमैद-उर-रहमान 29 सितंबर तक दिल्ली पुलिस की हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने आईएसआई प्रशिक्षित आतंकवादी ओसामा के चाचा हुमैद-उर-रहमान को 29 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यहां यह जानकारी दी। रहमान ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के करेली पुलिस स्टेशन में आत्मसमर्पण कर दिया था। आरोप है कि रहमान भारत में पूरे आतंकी नेटवर्क को कोऑर्डिनेट कर रहा था। 14 सितंबर को, दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने पाकिस्तान समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया था और पाकिस्तान में प्रशिक्षित दो जीशान और ओसामा सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया था। जांच की जानकारी रखने वाले एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि रहमान ने उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद के रहने वाले ओसामा और जीशान कमर को पाकिस्तान में प्रशिक्षण लेने के लिए ओमान की राजधानी मस्कट भेजा था। एक बार जब वे मस्कट पहुंचे, तो पाकिस्तान इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) उन्हें विस्फोटक और बम बनाने का प्रशिक्षण दिलाने के लिए समुद्री मार्ग से ग्वादर बंदरगाह ले गया।ओसामा और जीशान कमर को दैनिक उपयोग की वस्तुओं की मदद से बम और आईईडी बनाने और आगजनी करने का प्रशिक्षण दिया गया था। उन्हें छोटी आग्नेयास्त्रों और एके-47 को संभालने और उपयोग करने का भी प्रशिक्षण दिया गया था। पूछताछ में पता चला कि ओसामा अप्रैल में मस्कट के लिए निकला था जहां उसकी मुलाकात जीशान से हुई थी। अगले कुछ दिनों में, कई छोटी समुद्री यात्राओं के बाद, कई बार नावें बदलने के बाद, उन्हें पाकिस्तान में ग्वादर बंदरगाह के पास जिओनी शहर ले जाया गया।

स्मृति ईरानी का गांधी परिवार पर हमला, बोली-

50 साल राज करने के बाद भी नहीं हुआ विकास

तिरुवनंतपुरम(एजेंसी)।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने रविवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के अमेठी के बारे में यह मान लिया जाता था कि वहां बुनियादी ढांचे की कोई आवश्यकता नहीं हैं क्योंकि पांच दशक तक गांधी परिवार ने वहां की सेवा नहीं की बल्कि वहां पर शासन किया।

ईरानी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध गैर सरकारी संगठन देसीय सेवा भारती की पहल सेवासमर्पण का डिजिटल तरीके से उद्घाटन करना था। उन्होंने कहा कि वह सुबह के वक्त इंटरनेट कनेक्शन की समस्या की वजह से संगठन के सम्मेलन में शामिल नहीं हो सकीं, क्योंकि वह अमेठी के अंदरुनी इलाकों में थीं जहां इंटरनेट का नेटवर्क मिलना एक संघर्ष है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट कनेक्टिविटी जैसा विकास वहां सभी परिवारों तक नहीं पहुंचा है। उन्होंने कहा, मैं अमेठी के अंदरुनी इलाकों में थी, वहां के कुछ गांवों में नेटवर्क कनेक्टिविटी एक चुनौती है। कई लोगों ने यह मान लिया था कि गांधी परिवार ने इस निर्वाचन क्षेत्र की सेवा नहीं बल्कि पांच दशक तक इस पर शासन किया इसलिए यहां किसी बुनियादी ढांचे (शेष पेज 2 पर)

यूपी सरकार डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर करेगी 70 वर्ष

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में मेडिकल स्टाफ की कमी को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉक्टरों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष से बढ़ाकर 70 वर्ष करने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि कैबिनेट जल्द ही इस संबंध में एक प्रस्ताव पारित करेगी, क्योंकि सरकार का मानना है कि इससे राज्य को अधिक अनुभवी डॉक्टरों के साथ कोरोना महामारी और अन्य बीमारियों से लड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, सेवानिवृत्ति के बाद डॉक्टर अपने निजी क्लीनिक खोलते हैं, लेकिन बेहतर होगा कि वे हमें अपनी सेवाएं दें। इसे ध्यान में रखते हुए, हमने प्रस्ताव तैयार किया है। योगी आदित्यनाथ ने भी इस पर अपनी सहमति दी है और जल्द ही इसे कैबिनेट मंजूरी दे दी (शेष पेज 2 पर)

आरएसएस पता लगाएगी शिवराज सरकार खरी है या खोटी, जनता की नब्ज टटोलेंगे भागवत

भोपाल(काप्र)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत 21 और 22 सितंबर को दो दिवसीय प्रवास पर इंदौर आयेंगे हैं। उनके दौरे से पहले सियासत भी गरमा सकती है। प्रवास के दौरान भागवत सत्ता और संगठन का फीड बैक लेंगे। समाज के प्रबुद्धजनों से मुलाकात कर वे समाज पर सरकार के कामों का असर और उसकी छवि का पता लगाएंगे। उनकी आरएसएस के अनुषांगिक संगठनों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात होगी। इस मुलाकात के दौरान जमीनी स्तर पर किए जा रहे संघ के कामों की समीक्षा की जाएगी। कोरोना गाइडलाइन के चलते उनका कोई सार्वजनिक कार्यक्रम नहीं होगा और न ही कोई बड़ी बैठक होगी। दो दिनों तक वे इंदौर के विशिष्टजनों, शिक्षाविदों और स्टार्टअप करने वाले युवा उद्यमियों से चर्चा करेंगे। गौरतलब है कि इन दिनों युवाओं पर संघ का ज्यादा फोकस है। यही वजह है कि मोहन भागवत अपनी इंदौर यात्रा के दौरान युवा उद्यमियों से मुलाकात करेंगे। मध्य प्रदेश में 2023 में होने वाले विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में मंहगाई और बेरोजगारी जैसे मुद्दे कितने हावी होंगे, इसका आंकलन भी इन मुलाकातों से किया जाएगा। संघ प्रमुख के प्रवास के दौरान उम्मीद है कि बीजेपी के कई बड़े नेता भी मुलाकात के लिए यहां पहुंच सकते हैं। संघ प्रमुख के प्रवास से मीडिया को दूर रखा गया है। बीजेपी के प्रवक्ता उमेश शर्मा का कहना है कि सर संघचालक के इस प्रकार के प्रवास संघ की कार्यपद्धति का एक अंग है। इस बार का उनका प्रवास संपर्क पर केन्द्रित रहेगा और वे समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद करेंगे। वे प्रबुद्धजनों के साथ ही राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने वाले युवा वर्ग, विशेषकर जिन्होंने नवाचार कर स्टार्टअप शुरू किए हैं, लीक से हटकर समाज को कुछ देने का प्रयास कर रहे हैं, उनसे भेंट करेंगे।

स्पेशल खबर एनसीआरबी रिपोर्ट के अनुसार....

महानगरों में कोलकाता सबसे सुरक्षित शहर

कोलकाता(एजेंसी)।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक प्रति एक लाख जनसंख्या पर अपराध दर 110 से कम होने और बलात्कार व हत्या जैसे गंभीर अपराधों की सबसे कम संख्या दर्ज करने के साथ, कोलकाता को देश के महानगरीय शहरों में से सबसे सुरक्षित माना गया है।

एनसीआरबी द्वारा प्रकाशित नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में प्रति लाख जनसंख्या पर 1,506.9 की अपराध दर के साथ सबसे अधिक संज्ञेय अपराध दर्ज किए गए। इसके बाद चेन्नई में 1,016.4 की दर से अपराध के मामले दर्ज किए गए। मुंबई और बेंगलुरु जैसे अन्य दो महानगरीय शहरों में 272.4 और 234.9 की दर दर्ज की गई, तो कोलकाता में संज्ञेय अपराधों में अपराध दर सिर्फ 109.9 है। न केवल महानगरों में बल्कि शहर में देश के 19 प्रमुख शहरों में सबसे कम अपराध दर दर्ज किए गए। कुल अपराध दर में, शहरों ने देश के अन्य महानगरों की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है। जबकि चेन्नई में कुल अपराध दर 1,937.1,दिल्ली में यह 1,608.6 है, तो कोलकाता में अपराध दर केवल 129.5 है। अन्य दो महानगरों - मुंबई और बेंगलुरु ने क्रमशः 318.6 और 401.9 की समग्र अपराध दर दर्ज की है। शहर की समग्र अपराध दर भी एनसीआरबी द्वारा ध्यान में रखे गए 19 प्रमुख शहरों में सर्वश्रेष्ठ है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि साल 2018 और 2019 के आंकड़ों की तुलना में कोलकाता में किए गए अपराधों की संख्या में कमी आई है। 2018 में, शहर भर में लगभग 21,481 अपराध किए गए, जबकि 2019 में यह आंकड़ा 19,638 और 2020 में 18,277 था।